Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

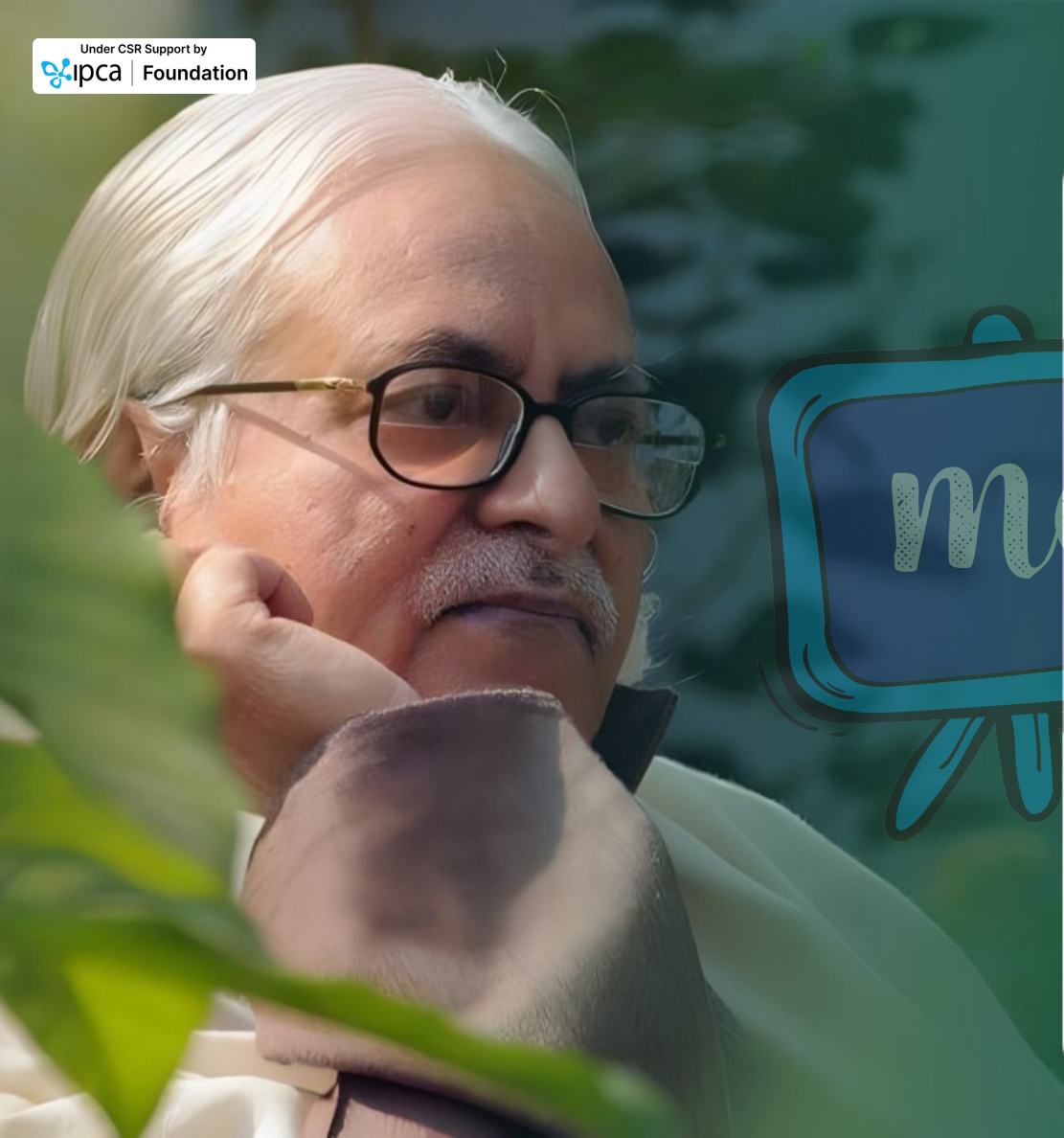

कक्षा – 9

हिन्दी

क्षितिज (गद्य खंड)

अध्याय–4 : साँवले सपनों की याद (जाबिर हुसैन)

भाग – 3

अभ्यास प्रश्न

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना लिया?

उत्तर : एक बार बचपन में सालिम अली की एयरगन से एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी। इस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया। वे गौरैया की देखभाल, सुरक्षा और खोजबीन में जुट गए। उसके बाद उनकी रुचि पूरे पक्षी-संसार की ओर मुड़ गई। वे पक्षी-प्रेमी बन गए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना लिया?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थीं?



चौधरी चरण सिंह

अभ्यास प्रश्न



2. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थीं?

उत्तर : सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह के सामने केरल की साइलेंट वैली संबंधी खतरों की बात उठाई – 1970 के दशक में जब साइलेंट वैली को एक बांध परियोजना के खतरे का सामना करना पड़ा, तो सालिम अली ने अन्य संरक्षणवादियों के साथ मिलकर चिंता जताई और क्षेत्र को बचाने के लिए एक आंदोलन शुरू किया।

अभ्यास प्रश्न



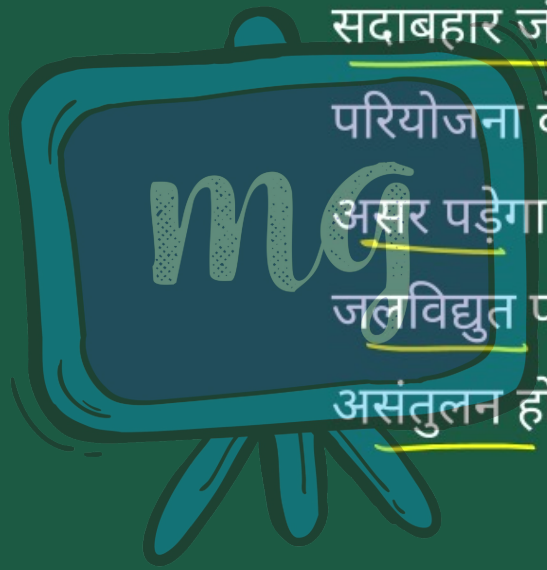

उन्होंने कहा कि इस परियोजना से साइलेंट वैली के सदाबहार जंगलों को भारी क्षति पहुंचेगी। इस परियोजना के कारण वन्यजीवों की जीवनशैली पर असर पड़ेगा और उनकी आबादी कम हो सकती है। जलविद्युत परियोजना से घाटी में पारिस्थितिक असंतुलन हो सकता है।

अभ्यास प्रश्न



3. लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि "मेरी छत पर बैठने वाली गोरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है?"



अभ्यास प्रश्न



3. लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि "मेरी छत पर बैठने वाली गोरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है?"

उत्तर : लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा जानती थी कि लॉरेंस को गौरैया से बहुत प्रेम था। वे अपना काफी समय गौरैया के साथ बिताते थे। गौरैया भी उनके साथ अंतरंग साथी जैसा व्यवहार करती थी। उनके इसी पक्षी-प्रेम को उद्घाटित करने के लिए उन्होंने यह वाक्य कहा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



4. आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन गए थे।



स्पलिम अली

स्वाभाविक



4. आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन गए थे।

उत्तर : अंग्रेजी के कवि डी.एच. लॉरेंस प्रकृति के प्रेमी थे। उनका जीवन प्रकृतिमय हो चुका था। उन्हीं की भाँति सालिम अली भी स्वयं को प्रकृति के लिए समर्पित कर चुके थे। यहाँ तक कि वे स्वयं प्रकृति के समान सहज-सरल, भोले और निश्छल हो चुके थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





यहाँ नैसर्गिक जिंदगी के प्रतिरूप के दो अर्थ हैं-

1. प्रकृति में खो जाना; प्रकृतिमय हो जाना।
2. प्रकृति के समान सहज-सरल हो जाना।

अभ्यास प्रश्न



(ख) कोई अपने ज़िस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा!



अभ्यास प्रश्न



(ख) कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा!

उत्तर : लेखक कहना चाहता है कि सालिम अली की मृत्यु के बाद वैसा पक्षी प्रेमी और कोई नहीं हो सकता। सालिम अली रूपी पक्षी मौत की गोद में सो चुका है। अतः अब अगर कोई अपने दिल की धड़कन उसके दिल में भर भी दे और अपने शरीर की हलचल उसके शरीर में डाल भी दे,

अभ्यास प्रश्न



तो भी वह पक्षी फिर से वैसा नहीं हो सकता क्योंकि उसके सपने अपने ही शरीर और अपनी ही धड़कन से उपजे थे। वे मौलिक थे। किसी और की धड़कन और हलचल सालिम अली के सपनों को पुनः जीवित नहीं कर सकती। आशय यह है कि उनके जैसा पक्षी-प्रेमी प्रयासपूर्वक उत्पन्न नहीं किया जा सकता।

अभ्यास प्रश्न



(ग) सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाए अथाह सागर बनकर उभरे थे।



अभ्यास प्रश्न



(ग) सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाए अथाह सागर बनकर उभरे थे।

उत्तर : सालिम अली प्रकृति के खुले संसार में खोज करने के लिए निकले। उन्होंने स्वयं को किसी सीमा में कैद नहीं किया। वे एक टापू की तरह किसी स्थान विशेष या पशु-पक्षी विशेष से नहीं बंध गए। उन्होंने अथाह सागर की तरह प्रकृति में जो-जो अनुभव आए, उन्हें सँजोया। उनका कार्यक्षेत्र बहुत विशाल था।

अभ्यास प्रश्न



5. इस पाठ में लेखक ने सालिम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।



अभ्यास प्रश्न



5. इस पाठ में लेखक ने सालिम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : सालिम अली अनन्य प्रकृति-प्रेमी थे। उन्हें पक्षियों से विशेष प्रेम था। लेखक के शब्दों में, 'उन जैसा 'बर्ड वाचर' शायद कोई हुआ है।' वे हमेशा आँखों या गले में दूरबीन लटकाए रहते थे। उन्हें दूर आकाश में उड़ते पक्षियों की खोज करने का तथा उनकी सुरक्षा के उपाय खोजने का असीम चाव था। वे स्वभाव से परम घुमक्कड़ और यायावर थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



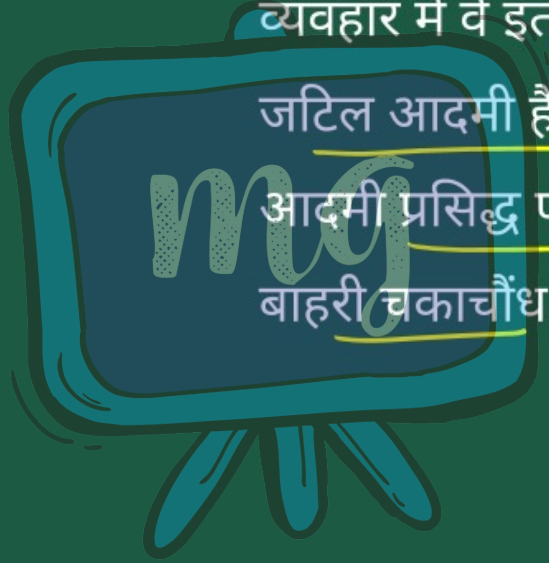

लंबी यात्राओं ने उनके शरीर को कमजोर कर दिया था। व्यवहार में वे इतने सरल-सीधे और भोले इनसान थे कि जटिल आदमी हैरानी में पड़ जाते थे कि क्या यही आदमी प्रसिद्ध पक्षी प्रेमी सालिम अली है। वे किसी भी बाहरी चकाचौंध और विशिष्टता से दूर थे।

अभ्यास प्रश्न



6. 'साँवले सपनों की याद' शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।



अभ्यास प्रश्न



6. 'साँवले सपनों की याद' शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर : 'साँवले सपनों की याद' एक रहस्यात्मक शीर्षक है। इसे पढ़कर पाठक जिज्ञासा से आतुर हो जाता है कि कैसे सपने? किसके सपने? कौन-से सपने? ये सपने साँवले क्यों हैं? कौन इन सपनों की याद में आतुर है? आदि।

'साँवले सपने' मनमोहक इच्छाओं के प्रतीक हैं। ये सपने प्रसिद्ध पक्षी-प्रेमी सालिम अली से संबंधित हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



पक्षियों के लिए जीवन समर्पित

सालिम अली जीवन-भर सुनहरे पक्षियों की दुनिया में खोए रहे। वे उनकी सुरक्षा और खोज के सपनों में खोए रहे। ये सपने हर किसी को नहीं आते। हर कोई पक्षी-प्रेम में इतना नहीं डूब सकता। इसलिए आज जब सालिम अली नहीं रहे तो लेखक को उन साँवले सपनों की याद आती है जो सालिम अली की आँखों में बसते थे।

यह शीर्षक सार्थक तो है किंतु गहरा रहस्यात्मक है। चंदन की तरह घिस घिसकर इसके अर्थ तथा प्रभाव तक पहुँचा जा सकता है।